MR. DEPUTY CHAIRMAN: I think this is the sense of the House that the Government should take some action on that.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING (SHRI RAJEEV SHUKLA): Sir, they are the most hardworking people in the country. Their concerns, their problems must be addressed.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: But they are underpaid. Some of them are working like bonded labourers.

SHRI RAJEEV SHUKLA: I will convey it to the hon. Health Minister.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please take some action. Now, Shri Ali Anwar Ansari.

Release of funds for branch of Aligarh Muslim University in Kishanganj, Bihar

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): उपसभापति महोदय, यूपीए वन की सरकार ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के पांच कैम्पस, एक बिहार में, एक मध्य प्रदेश में, एक महाराष्ट्र में, एक केरल में और एक पश्चिम बंगाल में खोलने की घोषणा की थी। यह खुशी की बात है कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में काम शुरू हो गया है और उसके लिए सरकार ने फंड दिया है, इसी तरह केरल के मल्लापुरम में भी काम शुरू हो गया। बिहार के किशनगंज में इसका कैम्पस खुलना है, इसके लिए अलीगढ़ युनिवर्सिटी जैसा चाह रही थी, उसके मुताबित बिहार सरकार ने उसे एक पीस में 224.02 एकड़ जमीन दे दी है। आप जानते हैं कि एक टुकड़े में जमीन देना कितना मुश्किल होता है, लेकिन बिहार सरकार ने 30 दिसंबर, 2011 को ही यह जमीन उसे दे दी और उस पर अलीगढ़ यूनिवर्सिटी ने डीपीआर, डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर जमा भी कर दी। यही नहीं, बिहार सरकार ने गर्ल्स हॉस्टल और बॉयज़ हॉस्टल के लिए तौहीद एजुकेशनल ट्रस्ट से दो हॉस्टल लेकर अलीगढ़ यूनिवर्सिटी को दे दिए और 75 लाख रुपये उन हॉस्टल के रेनोवेशन के लिए भी दे दिये, लेकिन आज तक उनमें काम शुरू नहीं हुआ। केन्द्र सरकार उसमें कार्यवाही नहीं कर रही है।

महोदय, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि चुनाव के समय 2009 में वहां सोनिया गांधी जी गई थीं, राहुल गांधी जी गये थे और उन लोगों ने वहां खुली सभा में कहा था कि नीतिश कुमार जी, बिहार सरकार इसके लिए यदि आज जमीन दे दे तो हम कल इसके लिए फंड मुहैया करा देंगे, इसमें काम शुरू हो जाएगा, लेकिन आज पौने दो साल हो गये हैं और वहां के लिए फंड नहीं मिला है। वहां के लोग आंदोलन कर रहे हैं। ह्युमन चैन नाम की एक गैर-सरकारी संस्था है, उसका आंदोलन चल रहा है। हमारी पार्टी के लोग बार-बार सवाल उठा

रहे हैं, वहां की जनता अपनी आवाज उठा रही है। आप तो जानते हैं कि ये किशनगंज है, पूर्णिया है, कटिहार है, अररिया है, वहां माइनॉरिटी की एक बड़ी आबादी है और वहां निरक्षरता की जो दर है, शायद वह देश में सबसे ज्यादा है। ऐसी स्थिति में इसमें क्यों देर हो रही है? हम मंत्री महोदय से मांग करेंगे और आश्वासन चाहेंगे कि वे हमें स्पष्ट बतायें, क्योंकि पहले कई तरह की अड़ंगेबाजी हुई है, हमारी पार्टी के खिलाफ कहा गया कि जमीन नहीं दे रहे हैं, दो साल पहले हमने जमीन दे दी है, कितनी मुश्किल से दी है, उसके बाद भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time is over. आपका समय खत्म हो गया। ..(**व्यवधान**).. ठीक है, समय हो गया। आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... अंसारी जी, बैठिए। आपका समय हो गया। आपका यह रिकॉर्ड में नहीं जा रहा।

श्री शिवानन्द तिवारी (बिहार): सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

श्री एन.के. सिंह (बिहार): सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

श्री साबिर अली (बिहार): सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

†چودھری منوّر سلیم (اتر پردیش): سر، میں بھی ایسوسی-ایٹ کرتا ہوں-

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश): सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र): सर, मैं एसोसिएट करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Najmaji. Najmaji.

DR. NAJMA A. HEPTULLA (Madhya Pradesh): Sir, I thought you were asking me to associate with it.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, I would be happy if you had associated with that.

Request for stopping telecast of serial of Jodha Akbar on Zee TV

डा. नजमा ए हेपतुल्ला (मध्य प्रदेश): सर, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने के लिए कहा है। हमारी हिस्ट्री को, हमारे इतिहास को अंग्रजों ने बहुत बिगाड़ने की कोशिश की, अब यह नई कोशिश हमारे बहुत ही स्ट्रांग मीडिया, जो टेलिविजन है, उसके द्वारा की जा रही है। "जी" टेलीविजन पर एक सीरियल आता है, जिसका नाम "जोधा अकबर" है।

---

* Not Recorded.

† Transliteration in Urdu script.